(श्रीमती सुष्मा स्वराज)

ने अपने पुत्र का विवाह 18 साल से कम आयु की एक नाबालिग लड़की से किया हैं। ....(व्यवधान)....इस का सबूत हमारे पास है। .....(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, order.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: This is a copy of the age certificate. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY: It is totally wrong, it is not relevant.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: This shows their intentions. You constitute an enquiry commission. I demand you constitute an enquiry committee for this.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Here is a discrimination. They are stalling the proceedings of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no, there is no discrimination.

Re. PROPOSED TELEVISING OF THE LOK SABHA QUESTION HOUR PROCEEDING

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, they are going to telecast the Question Hour proceedings in the Lok Sabha and not in the Upper House. All the Members must be taken into confidence as to what is going to be done because there is too much talk ... (*Interruptions*). What is the procedure? I believe, they are going to censor the Question Hour proceedings. That cannot be allowed. We want to know what is the status? Are they going televise ... (*Interruptions*). What are the rules? Are they going to impose a sort of censorship over what everybody speaks? Before the telecast in introduced we would like to have a thorough discussion and then only it should be introduced.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I assure that everybody will be taken into confidence. There will be a meeting of the General Purposes Committee which looks after all these matters. So, don't get worried and I am sure, when the T.V. comes, they will show you also.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): It should be done simultaneously for both the Houses.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I assure you that both the Houses will be shown in proportion. Don't worry.

SHRI SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Madam, I may be permitted to say another matter. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Do you want to comment on age certificate? Or, do you want to comment on television? एक मिनट जरा, आपकी तस्वीर टी०वी० पर आ रही है, पहले उसके बारे में बात हो जाए।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): The matter of televising the proceedings is already engaging the attention of the Chairman and the Government. I will come back to the House soon.

SHRI SURESH KALMADI: What about Rajya Sabha proceedings?

THE DEPUTY CHAIRMAN: When he talks about Chairman, it means Rajya Sabha, not Lok Sabha. (*Interruptions*) They are not discriminating. They have not started showing the proceedings of the Lok Sabha. The matter is before the Chairman, as the State Minister of Parliamentary Affairs has said. (*Interruptions*)

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): Mr. Narayanasamy will be shown on the television because every minute he gets up to speak. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, did you hear me? I said that the matter is before the Chairman and the Lok Sabha is not being televised. So, don't get panicky.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): It is a matter of discrimination. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is only 25th and there is a long time between 25th and 2nd December. Now let me ask the Minister on the Cauvery issue.

SHRI V. GOPALSAMY: I would like to suggest that there should be a joint meeting of the General Purposes Committees.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is there always. Please do it that way.

SHRI V. GOPALSAMY: Our House is a permanent House. That House could be dissolved any moment. . . (*Interruptions*).

SHRI SURESH KALMADI: In Question Hour you won't be there, Madam. We want it after Question Hour also.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay; all right ... (*Interruptions*)...

SHRI V. GOPALSAMY: Zero Hour also should be included.

...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा): मैडम, मैं कब से खड़ी हूं ?

उपसभापति: आपने अपनी बात सरकार के सामने रख दी हैं। हाउस में आपने कह दिया हैं, अब उसके ऊपर वह पता लगाकर ही बता सकती हैं। एकदम से कैसे बताएंगे कि कौन कितना बड़ा हैं, वह कब पैदा हुई थी ?

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैडम, मैं यह कह रही हूं कि दूरदर्शन वाले मसले पर जिस तरह से आपने अपनी टिप्पणी दी है, उस से यह मसला ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। दूरदर्शन पर राज्यसभा की कार्यवाही आएगी, यह अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। लेकिन एक मुख्य मंत्री के द्वारा असंवैधानिक... (**व्यवधान**)...

उपसभापति: एक मिनिट, आप जरा बैठेंगी ?

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैडम, दुर्भाग्य से वह हमारे प्रदेश का मुख्य मंत्री हैं। एक सितम्बर, 1974 जन्मतिथि का सर्टिफिकेट हमारे पास हैं।

उपसभापति: आप बैठेंगी ?

श्रीमती सुषमा स्वराज: एक सितम्बर, 1974 जन्मतिथि का सर्टिफिकेट हमारे पास हैं। आप अपनी टिप्पणी तो दीजिए। सरकार बाद में कहेगी। आप सरकार से क्या कहलवाना चाहती हैं, यह तो बताइए।

उपसभापति: मैं सरकार से कुछ कहलवाना नहीं चाहती। सरकार जो सही बात हैं, वह कहेगी। आप जरा एक मिनिट बैठ जाइए। आप कृपया स्थान ग्रहण कीजिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: एक सितम्बर, 1974 जन्मतिथि का सर्टिफिकेट हमारे पास हैं। एक मुख्यमंत्री अपने लड़के की शादी नाबालिग लड़की से करते हैं, यह मसला ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

उपसभापति: बहुत महत्वपूर्ण हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज: वह मेरे प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं, इसलिए हम सब के ऊपर लानत आती है। इसलिए मैं इस बात को उठा रही हूं।

उपसभापति: आप जरा बैठिए। अभी वह कैसे बता सकते हैं कि वह लड़की कितनी बड़ी हैं। आपने जो बात कही है, they will find out and let you know. Please take your seat ...(*Interruptions*)... Now I am calling the Minister ...(*Interruptions*) ...

श्री सैयद सिब्ते रजी: मैडम, कुछ दिन पहले मद्रास में...(**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): मैडम, सारे हिंदुस्तान में डाक्टरों की हड़ताल चल रही है। करीब 9 हजार डाक्टर हड़ताल पर हैं और अभी तक केन्द्रीय सरकार कोई भी कोशिश नहीं कर रही हैं। मैडम, अगर एक डाक्टर दिन में सौ पेशेंट्स देखता हैं तो पूरे हिंदुस्तान में करीब 9 लाख पेशेंट्स नहीं देखे जा रहे हैं। यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात है। मैंने यह सवाल पिछले दिन भी उठाया था, पर अभी तक यह स्वास्थ्य मंत्रालय के पास नहीं पहुंचा है। इस बारे में स्वास्थ्य मंत्रालय को बयान देना चाहिए और बताना चाहिए कि वह क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं? उनका एक फैसला है कि डाक्टर के चार कैडर हैं, उसमें सिर्फ ड्यूटी ऑफिसर्स के साथ इस तरह का अन्याय हो रहा है। यह अन्याय क्यों हो रहा है। जो टिक्कू कमेटी बैठी थी, उसने अपनी रिपोर्ट 1988 में सबमिट की है, लेकिन वह आज तक इम्प्लीमेंट नहीं हुई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार बयान दे और बताए कि क्या करने जा रहे हैं और आज संध्या के...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): This is a serious problem.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: और आज संध्या के पहले स्ट्राइक तोड़ने की कार्यवाही करें।

SHRI SURESH KALMADI: On this issue, the Tikku Committee's recommendations should be implemented.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Parliamentary Affairs Minister will convey the sentiments of the House to the Minister concerned.

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): There is a Calling Attention in the Lok Sabha. Let there be a statement here ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): The Health Minister should come to Parliament and make a statement. They are making all these statements ...(*Interruptions*)...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: The Tikku Committee's recommendations should be implemented.

SHRI SURESH KALMADI: They should be implemented.

SHRI DIPEN GHOSH: The Tikku Committee had formed to take care of the anomalies. The Committee had submitted its recommendations but till now they have not implemented those recommendations.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I said the Minister of Parliamentary Affairs will convey it to the Health Minister.

SHRI P. UPENDRA: There is a Calling-Attention in the other House. Why can't he take a statement here?

THE DEPUTY CHAIRMAN: It should be conveyed to him, no? So, the Parliamentary Affairs Minister will convey it. It will take some time for him. Mr. Parliamentary Affairs Minister, please convey the sentiments of the House.

SHRI M. M. JACOB: Yes, Madam, I will convey this request from the House to the Minister.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, it is a direction from you, not a request.

THE DEPUTY CHAIRMAN: As long as the matter is solved, whether it is a direction or a request, it is okay.

SHRI DIPEN GHOSH: Let the Minister come today and make a statement.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We don't know if he is busy with the Calling-Attention in the other House. We will have to find out.

SHRI V. GOPALSAMY: Please find out. ..(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay, we will find out. ...(Interruptions)... Just a minute.

श्री शंकर दयाल सिंह: (बिहार): मैडम, दुख की बात है कि प्राइम-मिनिस्टर ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया और डाक्टरों का कहना है कि सरकार की ओर से कोई उनसे बातचीत करने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। इससे दुख की बात कुछ नहीं हो सकती कि जो सबसे महत्वपूर्ण सवाल है डाक्टरों की हड़ताल का, उसकी ओर सरकार ध्यान नहीं देती है। इसलिए मेरा कहना है कि चेयर की ओर से डायरेक्शन होनी चाहिए कि आज सदन उठने से पहले सरकार की ओर से डाक्टरों की हड़ताल के ऊपर स्टेटमेंट आना चाहिए कि सरकार क्या करने जा रही है और टिक्कू कमीशन की रिपोर्ट को किस हद तक मानने जा रही है? ...**(व्यवधान)**

उपसभापति: प्लीज, एक मिनट, जरूरी नहीं है कि एक ही बात को आप सब रिपीट करें। ...**(व्यवधान)**...

Just a minute, please. I heard it, and I told the Minister. I will personally speak to the Minister for Health, and I will find out what he is doing about

श्री शंकर दयाल सिंह: मैडम, मैं तो बहुत-बीमार हूं और आप देखिए आज मैं फीवर में रहकर भी डाक्टरों की समस्याओं को उठाने के लिए आया हूं। ....**(व्यवधान)**....मैं बीमारी में यहां आया हूं यह सोचकर कि डाक्टरों के सवाल को उठाऊंगा।

RE. DEMAND FOR ISSUING INSTRUCTIONS TO UTTAR PRADESH GOVERNMENT TO DESSIT FROM CREATING LAW AND ORDER PROBLEM

श्री राम नरेश यादव: (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदया, यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। उत्तर प्रदेश की सरकार, अयोध्या में जिस तरह से हाई-कोर्ट ने स्टेटस को मेन्टेन करने के लिए आदेश दिया है, उसके विरुद्ध जाकर डिस्प्यूटेड श्राइन को भी इधर-उधर करके वहां मंदिर बनाने के लिए बिल लाना चाहती है और इस बिल को लाकर के पूरे प्रदेश और देश के पैमाने पर एक सांप्रदायिकता, हिंसा का वातावरण पैदा करना चाहती है। ...**(व्यवधान)**.

महोदया, सरकार से हमारा आग्रह है, इस केन्द्रीय सरकार से निवेदन है कि इस गंभीर समस्या की तरफ विशेष ध्यान दें ताकि प्रदेश की स्थिति अशांत न होने पाए और पूरे देश के अंदर सांप्रदायिकता का विषैला जहर न फैलने पाए। यह एक ऐसा मसला है, जो राष्ट्रीय प्रश्न है। इस राष्ट्रीय प्रश्न पर उत्तर प्रदेश की सरकार जिस तरह से गंभीरता के साथ न सोचकर जनता की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना चाहती है, उसकी ओर केन्द्रीय सरकार का ध्यान जाना चाहिए और प्रदेश सरकार को निर्देश दिए जाने चाहिए कि इस तरह का कोई बिल न लाए, जिससे वहां पर मंदिर बनाया जा सके और मंदिर बनाकर लोगों की धार्मिक भावना को उभाड़ करके सांप्रदायिकता का विषैला जहर फैलाकर हिंदू-मुस्लिम को लड़ाने का काम किया जा सके और राष्ट्रीय एकता, अखंडता, को खतरा पहुंचाया जा सके। इस ओर केन्द्रीय सरकार का तुरन्त ध्यान जाना चाहिए।... **(व्यवधान)**....